केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुम्बई संभाग

द्वितीय पूर्व परिषदीय परीक्षा (2025-26)

कक्षा - दसवीं

विषय - हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' (कोड - 002)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश -

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं | सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं - क, ख, ग, घ |
- खंड - क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है |
- खंड - ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- खंड - ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है |
- खंड - घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं |
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए |

प्रश्न संख्या	**खंड - क** **(अपठित बोध)**	**अंक** **14**
1.	आज का विद्यार्थी भविष्य की सोच में कुछ अधिक ही लग गया है। भविष्य कैसा होगा, वह भविष्य में क्या बनेगा, इस प्रश्न को सुलझाने में या दिवास्वप्न देखने में वह बहुत समय नष्ट कर देता है । भविष्य के बारे में सोचिए, लेकिन भविष्य को वर्तमान पर हावी मत होने दीजिए क्योंकि वर्तमान ही भविष्य की नींव बन सकता है । अतः नींव को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि भान तो भविष्य का भी हो, लेकिन ध्यान वर्तमान पर रहे । आपकी सफलता का मूल मंत्र यही हो सकता है कि आप एक स्वप्न लें, सोचें कि आपको क्या बनना है और क्या करना है और स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारम्भ करें । वर्तमान रूपी नींव को मजबूत करें और यदि वर्तमान रूपी नींव सबल बनती गई, तो भविष्य का भवन भी अवश्य बन जायेगा । जितनी मेहनत हो सके, उतनी मेहनत करें और निराशा को जीवन में स्थान न दें । यह सोचते हुए समय खराब न करें कि अब मेरा क्या होगा, मैं सफल भी हो पाऊँगा या नहीं? ऐसा करने में आपका समय नष्ट होगा और जो समय नष्ट करता है, तो समय उसे नष्ट कर देता है। वर्तमान में समय का सदुपयोग भविष्य के निर्माण में सदा सहायक होता है । भविष्य के बारे में अधिक सोच या अधिक चर्चा करने से चिंताएँ घेर लेती हैं। ये चिंताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती हैं । ये बाधाएँ हमारे उत्साह को, लगन को धीमा करती हैं और लक्ष्य हमसे दूर होता चला जाता है । निःसन्देह भविष्य के लिए योजनाएँ	**7**

	बनानी चाहिए, किन्तु वर्तमान को विस्मृत नहीं करना चाहिए । भविष्य की नींव बनाने में वर्तमान का परिश्रम भविष्य की योजनाओं से अधिक महत्वपूर्ण है।	
(क)	**आज का विद्यार्थी अपना समय किन बातों में नष्ट कर देता है?** (I) भविष्य की सोच में (II) दिखावा करने में (III) दिवा स्वप्न देखने मे (IV) यथार्थ में जीने में **विकल्प-** (i) कथन I व II सही हैं (ii) कथन I, III व IV सही हैं (iii) कथन I, II व III सही हैं (iv) कथन II व IV सही हैं	**1**
(ख)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए- **कथन (A):** भविष्य की चिंताएँ वर्तमान के कर्म में बाधा उत्पन्न करती हैं । **कारण (R):** वर्तमान का परिश्रम भविष्य में लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होता है। (i) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। (ii) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है । (iii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। (iv) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है ।	**1**
(ग)	**समय का हमारे जीवन में क्या महत्व बताया गया है?** (i) भूतकाल के कार्यों में सहायक (ii) भविष्य के निर्माण में सहायक (iii) वर्तमान के निर्माण में सहायक (iv) इनमें से कोई नहीं	**1**
(घ)	हमारी सफलता का मूल मंत्र क्या हो सकता है?	**2**
(ङ)	वर्तमान में कौन-कौन सी चिंताएँ हो सकती हैं जो कर्म में बाधा उत्पन्न करती हैं?	**2**
2.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**	**7**
	हम जंग न होने देंगे। विश्व शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे। कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी, खलिहानों में नहीं मौत की फसल खिलेगी, आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा, एटम से फिर नागासाकी नहीं जलेगी युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे।	

	हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा, मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा, कफन बेचने वालो से कह दो चिल्लाकर, दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा, कामयाब हो उनकी चाले, ढंग न होने देंगे। हमें चाहिए शांति, जिंदगी हमको प्यारी, हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी, हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से, आगे आकर हाथ बटाए दुनिया सारी, हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे	
(क)	**कवि ने किसके विरुद्ध जंग छेड़ दी है ?** (i) भूख और बीमारी के (ii) शत्रुओं के (iii) आतंकवादियों के (iv) इनमें से कोई नहीं	**1**
(ख)	**युद्ध अब अपार जनसंहार का कारण नहीं बनेगा यह आशय निम्नलिखित पंक्ति में से किस काव्य-पंक्ति से स्पष्ट हुआ है? उचित विकल्प का चयन कीजिए** - (I) आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा (II) मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा (III) खलिहानों में नहीं मौत की फसल खिलेगी (IV) हमें चाहिए शांति, जिंदगी हमको प्यारी **विकल्प-** i कथन I और II सही हैं। ii. केवल कथन III सही है। iii . कथन I, II और IV सही हैं। iv. कथन I, III और IV सही है।	**1**
(ग)	**कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-** **कथन (A):** भारतवासी जंग नहीं होने देंगे। **कारण (R):** भारतवर्ष युद्धविहीन विश्व का स्वप्न देख रहा है, वह शांति चाहता है। **विकल्प-** i कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है। ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।	**1**

	iii कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	
(घ)	कवि किस प्रकार की दुनिया की कल्पना कर रहा है?	**2**
(ङ)	'कफन बेचने वालों' कहकर कवि किनकी ओर संकेत कर रहा है?	**2**
	खंड - ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	**16**
3.	**निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए :**	**4x1= 4**
(क)	यदि संस्कृति का कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति बन जाएगी| | **(सरल वाक्य में बदलिए)**	**1**
(ख)	उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोद कर झाग निकाला | **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**	**1**
(ग)	हम सब के मन में उनकी स्मृति आजीवन रहेगी | **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**	**1**
(घ)	यह वही लड़का है, जो कल आया था | **(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए)**	**1**
(ङ)	राम ने बोला कि मैं दिल्ली जा रहा हूँ | **(वाक्य का भेद बताइए)**	**1**
4.	**निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए :**	**4x1= 4**
(क)	उसकी दादी से खड़ा नहीं रहा जाता | **(वाच्य पहचानकर भेद बताइए)**	**1**
(ख)	हमसे इतनी तकलीफ नहीं सही जाती | **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**	**1**
(ग)	नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कहा कि खीरा लज़ीज होता है| **(कर्म वाच्य में बदलकर लिखिए)**	**1**
(घ)	लड़का नहीं हँसा । **(भाववाच्य में बदलकर लिखिए)**	**1**
(ङ)	कर्म वाच्य में क्रिया के लिंग, वचन, और पुरुष किसके अनुसार होते हैं?	**1**
5.	**निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए :**	**4x1= 4**
(क)	यूँ ही **<u>कोई</u>** प्रधानमंत्री से नहीं मिल सकता |	**1**
(ख)	वक्त काटने के लिए खीरे **<u>खरीदे</u>** होंगे |	**1**
(ग)	पान वाला **<u>नया</u>** पान खा रहा था |	**1**
(घ)	विद्यालय **<u>के साथ</u>** ही एक डाकघर है |	**1**
(ङ)	**<u>जो</u>** वहाँ बागवानी कर रहा है वह मेरा बेटा है |	**1**

6.	**निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पांच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों में अलंकार पहचान कर उत्तर दीजिए :**	**4x1= 4**
(क)	राणा की पुतली फिरी नहीं तब तक चेतक मुड़ जाता था |	**1**
(ख)	बढ़त देखि जल सम वचन बोले रघुकुलभानु |	**1**
(ग)	एक दिवस सूरज ने सोची, छुट्टी ले लेने की बात | सोचा कुछ पल सुकूँ मिलेगा,चलने दो धरती पर रात ||	**1**
(घ)	सो जनु हमरे हि माथे काढ़ा| दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा |	**1**
(ङ)	गोपी पद पंकज पावन की रज जामै सिर भीजै |	**1**
	खंड - ग **(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)**	**30**
7.	**निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :**	**5x1= 5**
	एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज की खोज करता है, किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वजों से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान, जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता। एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त का आविष्कार किया। वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही, लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है, जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा । ऐसा होने पर हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सके, परंतु न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।	
(क)	**संस्कृत व्यक्ति की संतान को लेखक क्या मानता है ?** (i) सुसंस्कृतमानव (ii) सभ्य मानव (iii) सुयोग्य मानव (iv) इनमें से कोई नहीं **विकल्प -** (क) कथन (iii) सही है (ख) कथन (ii) सही है (ग) कथन (iv) सही है (घ) कथन (i) सही है	**1**

(ख)	**कथन (A) : न्यूटन के अविष्कार को महत्वपूर्ण माना गया है|** **कारण (R) : न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत दिया है।** (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं। (ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) गलत है। (घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।	**1**
(ग)	**लेखक के अनुसार एक 'संस्कृत' व्यक्ति कौन है?** (क) जो संस्कृत का ज्ञाता हो। (ख) जो संस्कृत की शिक्षा देता हो। (ग) जो किसी नई चीज़ की खोज करता है। (घ) जो सुशिक्षित है।	**1**
(घ)	**एक संस्कृत व्यक्ति में किन गुणों का समावेश होता है?** (क) कुछ नया करने की इच्छा (ख) जिज्ञासु और परिश्रमी (ग) मानवतावादी (घ) उपर्युक्त सभी	**1**
(ङ)	**लेखक ने 'संस्कृत' व्यक्ति की संतान को 'संस्कृत' क्यों नहीं माना है? उचित विकल्प का चयन कीजिए** - (i) वह प्रथम आविष्कर्ता नहीं होता। (ii) वह जिज्ञासु नहीं होता। (iii) उसे अपने पूर्वजों से सब कुछ अनायास प्राप्त हो जाता है | (iv) विकल्प (i) और (iii) दोनों सही है | **विकल्प -** (क) कथन (iii) सही है | (ख) कथन (ii) सही है | (ग) कथन (i) सही है | (घ) कथन (iv) सही है |	**1**
8.	**निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :**	**3x2=6**
(क)	'एक कहानी यह भी' के सन्दर्भ में लिखिए कि वर्तमान पड़ोस-कल्चर में किन बातों का आभाव दृष्टिगोचर होता है ?	**2**
(ख)	पानवाला एक हँसमुख स्वभाव वाला व्यक्ति है,परन्तु उसके हृदय में संवेदना भी है| इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए |	**2**

(ग)	बिस्मिल्लाह खाँ का जीवन वर्तमान और भावी पीढ़ी को क्या सन्देश देता है?	**2**
(घ)	बालगोबिन भगत शीर्षक पाठ में किन सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार किया गया है? अपने शब्दों में लिखिए |	**2**
9.	**निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए**	**5x1= 5**
	बिहसि लखन बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ।। पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू । चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।। इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहिं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।। देखि कुठारू सरासन बाना । मैं कछु कहा सहित अभिमाना ।। भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी । जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ।। सुर महिसुर हरिजन अरु गाई । हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ।। बधे पापु अपकीरति हारें । मारतहूँ पा परिअ तुम्हारें । कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा । ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।। जो बिलोकि अनुचित कहेउँ छमहु महामुनि धीर । सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर ।।	
(क)	**'चहत उड़ावन फूँकि पहारु' पंक्ति का आशय है सही विकल्प का चयन कीजिए ।** क . फूँककर पहाड़ उठाना चाहते हैं ख . फूँक से पहाड़ उड़ाना चाहते हैं ग . कुठार को फूँक मारकर उड़ाना चाहते हैं घ . बाण को फूँक से उठाना चाहते हैं। **विकल्प-** (i) कथन क सही है । (ii) कथन ख सही है। (iii) कथन क और ख सही हैं। (iv) कथन ग और घ सही हैं।	
(ख)	**लक्ष्मण जी ने फरसा दिखाने पर परशुराम जी को क्या कहा ?** (i) आप हमारी तुलना स्वयं से न कीजिए । (ii) यहाँ कोई कुम्हड़े के छोटे फल के समान नहीं है। (iii) हम आपकी इन धमकियों से नहीं डरने वाले। (iv) हम आपका आदर करते हैं ।	**1**
(ग)	**कथन (A) लक्ष्मण जी परशुराम के वचनों से अपने क्रोध को सहन कर रहे थे ।** **कारण (R) परशुराम जी जनेऊधारी थे ।** (i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	**1**

	(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है । (iii) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है। (iv) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।	
(घ)	**काव्यांश के अनुसार रघुकुल की मर्यादा है।** (i) देवता, ब्राह्मण, हरिभक्त व गाय की रक्षा करना। (ii) स्त्री का सम्मान नहीं करना। (iii) लोगों पर अत्याचार करना। (iv) बड़े-बुजुर्गों का सम्मान नहीं करना।	**1**
(ङ)	**परशुराम के वचनों की क्या विशेषता है सही विकल्प का चयन कीजिए।** **1.** वे अत्यंत मृदु वचन बोलते हैं। 2. वे अत्यंत कटु वचन बोलते हैं। 3. वे व्यर्थ वचनों का संभाषण करते हैं। 4. वे करोड़ों वज्रों के समान कठोर वचन बोलते हैं। **विकल्प-** (i) कथन 1 सही है। (ii) कथन 1 और 2 सही हैं। (iii) कथन 3 और 4 सही हैं। (iv) कथन 4 सही है।	**1**
10.	**निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :**	**3x2=6**
(क)	सूरदास के पदों के आधार पर गोपियों का योग साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए|	**2**
(ख)	संगतकार की आवाज़ में एक हिचक-सी क्यों प्रतीत होती है? उपयुक्त विचार लिखिए		**2**
(ग)	कवि ने फसल को हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म कहा है| वर्तमान जीवन -शैली मिट्टी के गुण -धर्म को किस-किस तरह प्रभावित करती है? फसल कविता के आधार पर उत्तर दीजिए		**2**
(घ)	बच्चे की दन्तुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?	**2**
11.	**पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :**	**2x4=8**

(क)	बच्चे रोना- धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं| माता का अंचल पाठ के आधार पर इस कथन पर कथन को पाठ के उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए |	**4**
(ख)	"कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती है |" 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है ?	**4**
(ग)	हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व बाह्य दबाव का परिणाम है, यह आप कैसे कह सकते हैं ?	**4**
	खंड - घ **(रचनात्मक लेखन)**	**20**
12.	निम्नलिखित में से किसी <u>एक विषय</u> पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **120 शब्दों में एक अनुच्छेद** लिखिए : **सौर उर्जा** • सौर ऊर्जा से तात्पर्य • सौर ऊर्जा का उत्पादन • लाभ **मेक इन इंडिया** • भूमिका • उक्ति का अर्थ • विभिन्न क्षेत्रों के विकास में योगदान • लाभ **योग और छात्र जीवन** • योग का वास्तविक अर्थ • छात्र जीवन में स्वास्थ्य और अनुशासन का महत्व • योग स्वास्थ्य और एकाग्रता का उत्तम माध्यम	**1x6 =6**
13.	(क) प्लास्टिक की चीजों से हो रही हानि के बारे में किसी समाचार पत्र के संपादक को लगभग **100 शब्दों में पत्र** लिखिए। **अथवा**	**1x5 =5**

	(ख) इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ ही ऑनलाइन धोखाघड़ी और साइबर क्राइम में भी बहुत वृध्दि हुई है| इस बारे में छोटी बहन/छोटे भाई को सतर्क करने के लिए लगभग **100 शब्दों में एक पत्र** लिखिए ।	
14.	(क) आप अमित/ अमिता हैं। आप शारीरिक शिक्षा-विज्ञान में स्नातक (ग्रेजुएशन) परीक्षा पास कर चुके हैं। आपने अ. ब. स. अकादमी से क्रिकेट में एकवर्षीय प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। केन्द्रीय विद्यालय में क्रिकेट कोच के रिक्त पद के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए। **अथवा** (ख) आप मानव और मानवी हैं| ई-मेल द्वारा बैंक प्रबंधक को अपनी पास-बुक खोने की सूचना लगभग 80 शब्दों में दीजिए ।	**1x5 =5**
15.	(क) पर्यावरण विभाग की ओर से जल- संरक्षण का आग्रह करते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **अथवा** (ख) आप रजनी/ राजीव हैं अपने मित्र को नववर्ष की बधाई देते हुए शुभकामना-सन्देश लिखिए ।	**1x4 =4**

केन्द्रीय विद्यालय संगठनम्, मुम्बई सम्भागः

प्री-बोर्ड-परीक्षा II: 2025-26

कक्षा- दशमी

विषय: संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्) कोड् सङ्ख्या -119

समय: होरात्रयम् **पूर्णांकः 80**

निर्देशाः-

- कृपया सम्यक्तया परीक्षणं कुर्वन्तु यत् अस्मिन् प्रश्नपत्रे 18 प्रश्नाः सन्ति।
- अस्मिन् प्रश्नपत्रे चत्वारः भागाः सन्ति ।

'क' भागः	:	अपठित-अवबोधनम्	-	10 अङ्काः
'ख' भागः	:	रचनात्मकं कार्यम्	-	15 अङ्काः
'ग' भागः	:	अनुप्रयुक्तव्याकरणम्	-	25 अङ्काः
'घ' भागः	:	पठित - अवबोधनम्	-	30 अङ्काः

- प्रत्येक भागम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि ।
- उत्तरलेखनात् पूर्वं प्रश्नस्य क्रमाङ्कः अवश्यं लेखनीयः ।
- प्रश्नस्य क्रमाङ्कः प्रश्नपत्रानुसारम् एव लेखनीयः ।
- सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लेखनीयानि ।
- प्रश्नानां निर्देशाः ध्यानेन अवश्यं पठनीयाः ।

'क' भागः- अपठित-अवबोधनम् (10 अङ्काः)

1. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत (10)

जीवने समयः एव सर्वाधिकः मूल्यवान् अस्ति। व्यतीतस्य समयस्य एकम् अपि क्षणं केनापि प्रयत्नेन पुनः प्राप्तुं न शक्यते केनापि जनेन । अतः प्रत्येकं क्षणस्य सदुपयोगः सावधानेन मनसा करणीयः सर्वैः जनैः, विशेषतः विद्यार्थिभिः। यथा वयम् अर्जितस्य धनस्य एकैकस्य पणस्य व्ययं सम्यक् विचार्य कुर्मः तथैव एकैकस्य क्षणस्य अपि सदुपयोगः विवेकेन कुर्याम | एकः अपि क्षणः वृथा न यापनीयः । असावधानतया आलस्येन च निरर्थकं नीतः समयः पश्चात्तापस्य असफलतायाः च कारणं भवति । यः मानवः समयस्य महत्त्वम् अवगच्छति, तस्य सदुपयोगं च करोति सः एव सफलो भवति ।

अ. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(1×2=2)**

(i) वयं एकैकस्य क्षणस्य अपि सदुपयोगः केन कुर्याम?

(ii) सर्वाधिकः मूल्यवान् कः?

(iii) प्रत्येकं क्षणस्य सदुपयोगः कीदृशेन मनसा करणीयः?

आ. पूर्णवाक्येन उत्तरत -(केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2×2=4)**

(i) असफलतायाः कारणं किं भवति?

(ii) कः सफलो भवति?

(iii) केनापि जनेन किं पुनः प्राप्तुं न शक्यते ?

इ. अस्य अनुच्छेदस्य कृते उपयुक्तं शीर्षकं संस्कृतेन लिखत | **(1)**

ई. यथानिर्देशम् उत्तरत -(केवलं प्रश्नत्रयम्) **(1×3=3)**

(i) 'कुर्मः' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(क) व्ययम् (ख) वयम् (ग) सम्यक् (घ) समयम्

(ii) 'सञ्चितस्य' इति पदस्य पर्यायः अत्र किम् अस्ति ?

(क) अर्जितस्य (ख) पणस्य (ग) क्षणस्य (घ) धनस्य

(iii) 'उद्यमेन' इतिपदस्य विलोमः अत्र किम् अस्ति ?

(क) विवेकेन (ख) सावधानेन (ग) जनेन (घ) आलस्येन

(iv) 'व्यतीतस्य' इति पदस्य कृते विशेष्यपदम् अत्र किम् ?

(क) क्षणस्य (ख) अर्जितस्य (ग) समयस्य (घ) पणस्य

'ख' भागः- रचनात्मकं कार्यम् (15 अङ्काः)

2.भवतां नाम महेशः | भवतः मित्रं सौरभः छात्रावासे वसति | सः अस्वस्थः | स्वास्थ्यरक्षणाय तं प्रति लिखिते पत्रे मञ्जूषातः पदानि चित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः क्रियताम् | **½ X 10 = 5**

(i) .....

तिथिः - .....

प्रियमित्र (ii) .....

सप्रेम(iii) .....

भवतः पत्रं प्राप्य मया ज्ञातं यत् , त्वम् गतसप्ताहात् अस्वस्थः असि| अहम् (iv) .....सह तव विषये चर्चां कृतवान्| मम पित्तृमहोदयः प्राकृतिक चिकित्सकः अस्ति | तेन स्वास्थ्यरक्षणाय ये (v) ..... दत्ताः तान् अहम् लिखामि | ते नियमाः एवं सन्ति- प्रातः सूर्योदयात् (vi) ..... शय्यात्यागः करणीयः| रात्रौ च दशवादने शयितव्यम्| प्रतिदिनं व्यायामः कर्तव्यः| यावत् (vii) ..... अनुभूतिः न भवेत् भोजनं न कर्तव्यम् , भोजनेन सह जलं न पातव्यम् | भोजनम् शनैः शनैः चर्वणपूर्वकम् (viii) .....च भक्षणीयम् | प्रतिदिनं पर्याप्त जलं च (ix) ..... |

अन्यत् सर्वम् कुशलम् | समये- समये स्वास्थ्यविषये त्वया अवश्यम् सूचनीयम् (x) .....

अभिन्नं मित्रम्

महेशः

मञ्जूषा -

क्षुधायाः, निर्देशाः, स्वपित्रा, कोयम्बटूरतः , एकहोरापूर्वम् , प्रसन्नमनसा ,त्वदीयम् , सौरभः , नमस्ते, पातव्यम्

3. प्रदत्तं चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया पञ्चवाक्यानि संस्कृतेन लिखत- (1×5=5)



मञ्जूषा -

पर्यावरणस्य, असन्तुलितास्थितिः, वृक्षारोपणेन, वृक्षारोपणम्, वनानां, कर्तनं, भूमिः, कुरुतः, पर्यावरणं, सुरक्षितव्यम्, वृक्षाः, द्वौ बालौ, जीवनं, सुरक्षितम्, रोपणीयाः ,

अथवा

निम्नलिखितं विषयम् अधिकृत्यमञ्जूषाप्रदत्तशब्दानांसाहाय्येन न्यूनातिन्यूनं पञ्चभिः संस्कृतवाक्यैः एकम् अनुच्छेदंलिखत- (1×5=5)

"प्रातः भ्रमणम्"

मञ्जूषा

ब्रह्ममुहूर्तम्, इति नाम्ना, सुमधुरः कालः , कलरवम् कुर्वन्ति, सुगन्धितः वायुः, पूर्वस्याम् दिशि, सर्वोत्तमः कालः , स्वास्थ्यलाभः, अनेके रोगाः

4. अधोलिखितसंवादं मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुन: लिखत - (½×10=5)

लता - सीते! त्वं किम् (i) ..... ?

सीता - लते! अहम् (ii) ..... पठामि |

लता - सीते! किं रामायणं धार्मिकं ग्रन्थः अस्ति?

सीता - लते! (iii) ..... रामायणं धार्मिकं ग्रन्थः अस्ति |

लता - सीते! रामायणस्य(iv) ..... कः?

सीता - लते! रामायणस्य लेखकः (v) ..... अस्ति |

लता - सीते! रामायणे(vi) ..... वृत्तं वर्तते ?

सीता - लते! रामायणे (vii) ..... जीवनस्य वृत्तं वर्तते |

लता -सीते! रामायणं कस्य (viii) ..... रचितम् ?

सीता - लते! रामायणं नारदमुनेः प्रेरणया रचितम् |

लता - सीते! रामायणे कति काण्डानि (ix) ..... ?

सीता - लते! रामायणे (x) ..... काण्डानि वर्तन्ते |

मञ्जूषा -

कस्य, रामायणम्, आम्, पठसि, सप्त, महर्षिः वाल्मीकिः, भगवतः श्रीरामचन्द्रस्य, वर्तन्ते, लेखकः, प्रेरणया|

<u>अथवा</u>

अधोलिखितां कथां मञ्जूषायाः सहायतया पूरयित्वा पुनः लिखत- (½×10=5)

एक: टोपिकाविक्रेता आसीत् । सः एकदा (i) ---------- विक्रेतुं ग्रामान्तरं गच्छन् आसीत् । (ii) ---------- सः श्रान्तः अभवत्, अतः (iii) ---------- अधः स्थित्वा शयनम् अकरोत् ।तत्र बहवः वानराः आसन् । (iv) ---------- तस्य टोपिकाः स्वीकृत्य वृक्षस्य उपरि अतिष्ठन् (v) ---------- टोपिकाविक्रेता जागृतः अभवत् तदा सः टोपिकाः न दृष्ट्वा बहु (vi) ---------- अभवत् । सः एकम् (vii) ---------- अकरोत् । सः वानराणां पुरतः स्थित्वा स्वस्य टोपिकां दूरम् अक्षिपत् । (viii) ---------- वानराः अपि स्वस्य स्वस्य टोपिकाःअधः (ix) ---------- चतुरः टोपिकाविक्रेता टोपिकाः एकत्रीकृत्य प्रसन्नः भूत्वा ततः (x) ----------। अतः कथ्यते बलात्बुद्धिः श्रेष्ठा ।

मञ्जूषा-

मार्गे, ते, अनुकरणशीलाः, अगच्छत्, वृक्षस्य, अक्षिपन्, दुःखी, यदा, टोपिकाः, उपायम्,

'ग' भागः - अनुप्रयुक्तव्याकरणम् (25 अङ्काः)

5.अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदेषु सन्धिं सन्धिच्छेदं वा कुरुत -(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) (1×4=4)

(i) राज्ञः स्वेषु गात्रेष्वपि निरासक्तिं विज्ञाय सकलं ब्रह्माण्डं व्याकुलं सञ्जातम् |

(ii) तत् + एतत् राजभवनं परित्यज्य वनं गच्छामः |

(iii) रमणीया हि सृष्टिरेषा |

(iv) अस्य पिता किं तपः + तेपे ?

(v) कोऽयम् अनर्थः क्रियते एताभ्यां वीराभ्याम् |

6. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां समासं विग्रहं वा प्रदत्तविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) (1×4=4)

(i) एतम् अनर्थं दृष्ट्वा नारदः च व्यासः च तत्रागच्छतः |

(क) नारदः व्यासः (ख) नारदव्यासः (ग) नारदव्यासयोः (घ) नारदव्यासौ

(ii) असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम् |

(क) अन संशयम् (ख) न संशयम् (ग) ना संशयम् (घ) अना संशयम्

(iii) एतेषां कलहो न वानराणां हिताय |

(क) वानराय (ख) वानराहिताय (ग) वानरहिताय (घ) वानरहितम्

(iv) याचकः अपि तत् नेत्रं स्थानम् अनतिक्रम्य अस्थापयत् |

(क) यथास्थानम् (ख) यथास्थाना (ग) यथास्थानः (घ) स्थानानुसारेण

(v) सर्वदा शारदा अस्माकं सन्निधिं क्रियात् |

(क) सर्वं करोति इति (ख) सर्वदा ददाति इति (ग) सर्वं ददाति इति (घ) सर्वं वदति इति

7. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रकृति-प्रत्ययौ संयोज्य विभज्य वा उचितं उत्तरं विकल्पेभ्यः चित्वा लिखत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) (1×4=4)

(i) मनुष्यः एकः समाज + ठक् प्राणी अस्ति |

(क) सामाजिकः (ख) सामाजिकी (ग) सामाजिकम् (घ) सामाजिकैः

(ii) धैर्यवान् मन्त्री केनापि न परिभूयते |

(क) धैर्य + वान् (ख) धैर्य + मान् (ग) धैर्य + मत् (घ) धैर्य + मतुप्

(iii) ईटा हि यस्यास्ति पुरी प्रधान + टाप् |

(क) प्रधाना (ख) प्रधानम् (ग) प्रधानः (घ) प्रधानी

(iv) सर्वेषाम् महत्त्वं विद्यते यथासमयम् |

(क) महत् + तव (ख) महत + ता (ग) महत + तल् (घ) महत् + त्व

(v) <u>अवक्रता</u> यथा चित्ते तथा यदि वाचि भवेत् |

(क) अवक्र + ता (ख) अवक्र + तल् (ग) अवक्र + टाप् (घ) अवक्र + ताम्

8. वाच्यानुसारं उचितपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा अधोलिखितं संवादं पुनः लिखत -

(केवलं प्रश्नत्रयम्) **(1×3=3)**

सुरेशः - किम् अतिथयः भोजनम् (i) ..... ?

नरेशः - आम् , (ii) .....भोजनम् क्रियते |

सुरेशः - तव जनकेन कुत्र (iii) .....?

नरेशः - मम (iv) ..... आपणं गच्छति |

मञ्जूषा -

जनकः, अतिथिभिः, कुर्वन्ति, गम्यते,

9. अधोलिखितकार्यक्रमे अङ्कानां स्थाने संस्कृतपदेषु समयम् लिखत - (केवलं प्रश्नत्रयम्) **(1×3=3)**

(i) सायम् **6:45** ---------- वादने आगमनम् ।

(ii) सायम् **7:30** ---------- वादने भजनम् ।

(iii) सायम् **8:15** ---------- वादने कथा प्रचलिष्यति ।

(iv) रात्रौ **10:00** ---------- वादने भोजनम् भविष्यति ।

10. मञ्जूषायां प्रदत्तैः उचितैः अव्ययपदैः अधोलिखितवाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयत - (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) **(1×4=4)**

(i) रमेशः ..... विद्यालयं न गमिष्यति |

(ii) ध्वनिम् ..... कुरु |

(iii) कच्छपः ..... चलति |

(iv) ग्रामात् ..... एका वाटिका अस्ति |

(v) ..... अयोध्यायां दशरथः नाम एकः भूपतिः आसीत् |

मञ्जूषा -

बहिः , शनैः शनैः , पुरा, श्वः , मा

11. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कित-अशुद्धपदाय उचितपदं चित्वा वाक्यानि पुनः लिखत -(केवलं प्रश्नत्रयम्) **(1×3=3)**

(i) अहं श्वः वाराणसीं <u>गच्छामि</u> |

(क) गमिष्यथ (ख) गमिष्यामः (ग) गमिष्यामि (घ) गमिष्यति

(ii) <u>यूयं</u> पत्रं लिखामि |

(क) त्वम् (ख) अहम् (ग) वयम् (घ) युवाम्

(iii) सा <u>बालिकाः</u> तत्र क्रीडति |

(क) बालिका (ख) बालकौ (ग) बालकाः (घ) बालिकाम्

(iv) प्रच्छन्नभाग्यस्य भार्या <u>बुद्धिमान्</u> आसीत् |

(क) बुद्धिमानी (ख) बुद्धिमती (ग) बुद्धिमन्ती (घ) बुद्धिमत्याः

'घ' भागः पठित - अवबोधनम् (30 अङ्काः)

12. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत - (5)

कस्मिंश्चित् नगरे चन्द्रो नाम भूपतिः प्रतिवसति स्म | तस्य पुत्राः वानरक्रीडारताः वानरयूथं नित्यमेव विविधैः भोज्यपदार्थैः पुष्टिं नयन्ति स्म | तस्मिन् राजगृहे बालवाहनयोग्यं मेषयूथम् आसीत् | तेषां मेषाणां मध्ये एको मेषः जिह्वावालोलुपतया अहर्निशं महानसं प्रविश्य यत् पश्यति तद् भक्षयति | ते च सूपकाराः यत्किञ्चित् काष्ठं, मृण्मयं भाजनं, कांस्यताम्रपात्रं वा पश्यन्ति तेन तम् आशु ताडयन्ति स्म |

अ. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) (½×2=1)

(i) नगरे किं नाम भूपतिः प्रतिवसति स्म ?

(ii) के मेषं ताडयन्ति स्म ?

(iii) मेषः जिह्वालोलुपतया अहर्निशं कुत्र प्रविशति ?

आ. पूर्णवाक्येन उत्तरत -(केवलं प्रश्नद्वयम्) (1×2=2)

(i) राजगृहे कीदृशं मेषयूथम् आसीत् ?

(ii) कः जिह्वावालोलुपतया अहर्निशं महानसं प्रविश्य यत् पश्यति तद् भक्षयति ?

(iii) राजपुत्राः वानरक्रीडारताः वानरयूथं कैः पुष्टिं नयन्ति स्म ?

इ. निर्देशानुसारम् उत्तरत -(केवलं प्रश्नद्वयम्) (1×2=2)

(i) 'पाकशालां' इति पदस्य पर्यायपदं किं गद्यांशे प्रयुक्तम् ?

(ii) 'भक्षयति' - इति क्रियापदस्य किं कर्तृपदम् ?

(iii) 'भोज्यपदार्थैः' इति पदस्य विशेषणपदं किम् ?

13. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत - (5)

विद्वांस एव लोकेस्मिन् चक्षुष्मन्तः प्रकीर्तिता |
अन्येषां वदने ये तु ते चक्षुर्नामनी मते ||
आचारः प्रथमो धर्मः इत्येतद् विदुषां वचः |
तस्माद् रक्षेत् सदाचारं प्राणेभ्योऽपि विशेषतः ||

अ. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) (½×2=1)

(i) कः प्रथमो धर्मः ?

(ii) अस्मिन् लोके के चक्षुष्मन्तः प्रकीर्तिता ?

(iii) कं प्राणेभ्योऽपि विशेषतः रक्षेत् ?

आ. पूर्णवाक्येन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(1×2=2)**

(i) 'आचारः प्रथमो धर्मः' इत्येतद् केषां वचः ?

(ii) विद्वांसः कुत्र चक्षुष्मन्तः प्रकीर्तिता ?

(iii) कुत्र ये तु ते चक्षुर्नामनी मते ?

इ. निर्देशानुसारम् उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(1×2=2)**

(i) 'तस्माद् रक्षेत् सदाचारं प्राणेभ्योऽपि विशेषतः' इति अस्मिन् वाक्ये क्रियापदं किम् ?

(ii) 'प्रथमो धर्मः' इत्यनयोः पदयोः विशेषणपदं किम् ?

(iii) 'मुखे' इति अस्य पदस्य पर्यायपदं श्लोके किमस्ति ?

14. अधोलिखितंनाट्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत - (5)

श्रीकृष्णः -: भो धर्मराज! समीचीनं न कृतं भवता | पुत्रशोकविह्वलः भीमसेनः एकाकी एव द्रौणिं हन्तुम् अभिधावति |

युधिष्ठिरः -: भगवन् ! स तु एकाकी एव द्रौणपुत्राय अलम् |

श्रीकृष्णः -: वत्स ! न जानाति भवान् द्रौणे चपलां प्रकृतिम् | पितुः द्रोणात् प्राप्तं ब्रह्मशिरो नाम अस्त्रं विद्यते तस्य पार्श्वे | यदि तत् प्रयुज्यते, सर्वा पृथ्वी दग्धा स्यात् |

युधिष्ठिरः -: आचार्येण कीदृशः अनर्थः कृतः ? किं चपलः बालेकेभ्यः एतादृश - भीषणानाम् अस्त्राणां प्रदानम् उचितम् ?

श्रीकृष्णः -: शृणु तावत् ! आचार्येण तु प्रिय शिष्याय अर्जुनाय एव प्रीत्या मनसा ब्रह्मास्त्रशिक्षा प्रदत्ता किन्तु पुत्रप्रेमपराधीनेन तेन अश्वत्थामा अपि तच्छिक्षया वञ्चितः न कृतः ,

अर्जुनः -: अपरं च , अस्त्र शिक्षा प्रदानात् पूर्वम् आचार्यः पुत्रं सावधानम् अकरोत् |

"परमापद् गतेनापि नैव तात त्वया रणे |

इदमस्त्रं प्रयोक्तव्यं मानुषेषु विशेषतः" ||

युधिष्ठिरः -: सम्प्रति आश्वस्थ: अस्मि , मन्ये सः ब्राह्मास्त्रप्रयोगं न करिष्यति |

अ. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(½×2=1)**

(i) कः एकाकी एव द्रौणिं हन्तुम् अभिधावति ?

(ii) भीमसेनः: कस्मै अलम् ?

(iii) कः न जानाति द्रौणे चपलां प्रकृतिम् ?

आ. पूर्णवाक्येन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(1×2=2)**

(i) अस्त्र शिक्षा प्रदानात् पूर्वम् आचार्यः पुत्रं सावधानं कृत्वा किम् अकथयत् ?

(ii) सम्प्रति आश्वस्थ: अस्मि ? इति कः कथयति ?

(iii) आचार्येण कस्मै प्रीत्या मनसा ब्रह्मास्त्रशिक्षा प्रदत्ता ?

इ. निर्देशानुसारम् उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(1×2=2)**

(i) 'सर्वा पृथ्वी दग्धा स्यात्' इत्यस्मिन् वाक्ये क्रियापदं किम् ?

(ii) 'पुत्रशोकविह्वलः' इति पदस्य विशेष्यपदं किम् ?

(iii) 'अस्मि' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

15. रेखाङ्कितानि पदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत - (केवलं पञ्चप्रश्नाः) **(1×5=5)**

(i) गगनात् सहस्रस: <u>उल्काः</u> भूमौ पतन्ति |

(ii) कामस्य नाशाय <u>इन्द्रियाणि</u> वशे करणीयानि |

(iii) धैर्यम् <u>आपदां</u> तरणिः |

(iv) परशुरामकुण्डं <u>लोहितनद्याः</u> किञ्चिद् दूरम् अस्ति |

(v) बकः मीनान् छलेन अधिगृह्य <u>क्रूरतया</u> भक्षयति |

(vi) <u>सत्येन</u> समं सुखं नास्ति |

16. मञ्जूषात: समुचितपदानि चित्वा अधोलिखित-श्लोकस्य अन्वयं पूरयित्वा पुनः लिखत - (½×4 = 2)

नानाशस्त्रविदः पूर्वे येऽप्यतीता महारथाः |
नैतदस्त्रं मनुष्येषु तैः प्रयुक्तं कथञ्चन ||

अन्वय: - नाना (i) ..... ये अपि पूर्वे महारथाः (ii) ....., तैः
(iii) .....अस्त्रम् (iv) .....न कथञ्चन प्रयुक्तम् |

मञ्जूषा -

अतीताः , मनुष्येषु , एतत्, शस्त्रविदः	

अथवा

मञ्जूषायाः साहाय्येन भावार्थे रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुनः लिखत- **(½×4 = 2)**

चञ्चलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलवद्दृढम् |
तस्याहं निग्रहं मन्ये वायोरिव सुदुष्करम् ||

भावार्थः - हे कृष्ण ! यद्यपि (i) ..... चञ्चलं वर्तते , अतीव (ii) ..... वर्तते ,
(iii) ..... वर्तते , अतः अस्य निग्रहम् अहं (iv) ..... इव दुष्करं मन्ये |

मञ्जूषा -

वायोः , मनः , दृढः , बलवान्	

17. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुकूलम् उचितार्थं चित्वा लिखत- (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) (1×4=4)

(i) एकदा राजा <u>सरोवरस्य</u> समीपे विहरति |

(क) तडागस्य (ख) नगरस्य (ग) नद्याः (घ) मार्गस्य

(ii) आपत्काले सरांसि त्यक्त्वा दूरं <u>व्रजसि</u> ।

(क) वदसि (ख) भजसि (ग) क्रीडसि (घ) गच्छसि

(iii) <u>सपदि</u> उपायः क्रियताम् |

(क) एकपदेन (ख) पादेन सह (ग) झटिति (घ) वृथा

(iv) अभ्यासेन तु <u>कौन्तेय</u> वैराग्येण च गृह्यते |

(क) अर्जुन (ख) भीम (ग) नकुल (घ) सहदेव

(v) विषादं त्यक्त्वा <u>उद्यमः</u> क्रियताम् |

(क) उपयोगः (ख) परिश्रमः (ग) प्रयत्नः (घ) प्रयोगः

18. मञ्जूषात: समुचितं पदम् आदाय अधोलिखितां कथां रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुनः लिखत - (½×8 =4)

अरुणस्य प्रदेशः अरुणाचलः । (i) ..... प्रदेशस्य अस्ति हिमाद्रितुङ्गशृङ्गैः सुशोभिता भूमिः । एवञ्च अस्ति विपुल वनसम्पदा (ii) .....प्रदेशे । (iii) .....प्रदेशात् एव वहति लोहिताख्या नदी । सूर्यस्य प्रकाशः सर्वप्रथमम् (iv) ..... प्रदेशम् (v) ..... स्पृशति ।(vi) ..... प्रदेशेन एव जीवन्ति (vii) ..... प्रदेशस्य जनाः । अद्भुतः सौन्दर्यमयः एव (viii) ..... प्रदेशः।

मञ्जूषा -:

अयम् , अस्य, अस्मिन् , अस्मात् , इमम् , अनेन, अस्य, एव |